पाठ 4

तालाब में चाँद

32LQK2

बंदरों ने तालाब में चमकता चाँद देखा। उन्हें चाँद को पकड़ने की सूझी।

"अरे देखो ! तालाब में चाँद ! चलो पकड़ते हैं।"

एक बंदर चाँद पकड़ने को कूदा। पर चाँद हाथ नहीं आया।

"अरे ! कहाँ गायब हो गया चाँद ? लगता है मेरे कूदने से डर गया"- बंदर बोला।

फिर उन्होंने एक योजना बनाई – "चलो एक दूसरे का हाथ पकड़ कर लटकते हैं और धीरे से पकड़ते हैं चाँद को।"

अचानक डाल टूटी।
एक बंदर का हाथ छूटा,
और बंदर मगरमच्छ की
पीठ पर गिरे।
भागो रे– एक बंदर बोला।
डरो मत, मेरी पूँछ पकड़ लो–
मगरमच्छ बोला। बंदर बोले–
मगर, अगर ...

अभ्यास

1. उत्तर दो –

   क. बंदरों ने चाँद को क्यों पकड़ना चाहा ?

   ख. चाँद को पकड़ने के लिए बंदरों ने क्या योजना बनाई ?

   ग. तालाब में चाँद था या कुछ और ?

2. कहानी को आगे बढ़ाओ –

   बंदर बोले– मगर, अगर .....

   .....

   .....

3. देखो करके – एक बड़ी थाली या परात में पानी भरो। पानी भरने के बाद उसमें देखो। क्या दिख रहा है ?

4. बंदरों ने चाँद को पकड़ने के लिए एक दूसरे का हाथ पकड़ा। आप कुछ ऐसे खेल खेलते होंगे, जिनमें एक दूसरे का हाथ पकड़ना होता है। उन खेलों के नाम लिखो– .....

   .....

5. तुम भी एक चित्रकथा बनाओ जिसमें बिल्ली, चूहा, तोता और आम हों।

6. जीतू ने मेले में देखा अजब गजब तमाशा। शीशे में जीतू कहीं दुबला, कहीं

मोटा। कहीं लम्बा, कहीं छोटा। खूब हँसा जीतू। मैं ऐसा कैसे– जीतू बोला? क्योंकि शीशे वैसे– जिया बोली।

क्या तुमने भी कभी ऐसा तमाशा देखा है ?

कहाँ .... कब ....

7. कहानी को अपने शब्दों में सुनाओ।

चित्रकथा बनाने में बच्चों की सहायता करें, प्रतिबिंब/परछाई के बारे बताएँ।